May I have your Attention Please..!

Take it Seriously..

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - अभी विनाश का समय बहुत समीप है इसलिए एक बाप से सच्ची प्रीत रखो, किसी देहधारी से नहीं"

m.m.m....imp.

प्रश्नः- जिन बच्चों की सच्ची प्रीत एक बाप से होगी उनकी निशानियाँ क्या होंगी?

उत्तर:- 1- उनका बुद्धियोग किसी भी देहधारी के तरफ जा नहीं सकता। वह आपस में एक दो के आशिक - माशूक नहीं बनेंगे। 2- जिनकी सच्ची प्रीत है वह सदा विजयी बनते हैं। विजयी बनना अर्थात् सतयुग का महाराजा-महारानी बनना। 3- प्रीत बुद्धि सदा बाप के साथ सच्चे रहते हैं। कुछ भी छिपा नहीं सकते। 4- रोज़ अमृतवेले उठ प्यार से बाप को याद करेंगे। 5- दधीचि ऋषि की तरह सर्विस में हड्डियाँ देंगे। 6- उनकी बुद्धि दुनियावी बातों में भटक नहीं सकती।

गीत: न वह हमसे जुदा होंगे. Click

ना वो हमसे जुदा होंगे ना वो हमसे जुदा होंगे
ना उल्फत दिल से हाय दिल से निकलेगी ना दिल से निकलेगी
लगी हैं आस जो दिल में बड़ी मुश्किल से निकलेगी
बड़ी मुश्किल से निकलेगी उन्हीं के थे उन्हीं के हैं
उन्ही पर मर मिटेंगे हम उन्ही पर मर मिटेंगे हम
बहुत पछतायेंगे जालिम ज़माना हमको देकर गम
ज़माना हमको देकर गम सितम जितने भी हैं सब
खाक में मिल जायेंगे उस दम मोहब्बत बनकर जब हमारे
दिल से निकलेंगे हमारे दिल से निकलेंगे ना वो हमसे जुदा होंगें
ना उल्फत दिल से हाय दिल से निकलेगी ना उल्फत दिल से निकलेगी
www.hindilyrics4u.com www.hindilyrics4u.com
जिगर हैं टुकड़े टुकड़े गम ने ऐसा तीर मारा हैं
गम ने ऐसा तीर मारा हैं अरे ओ दिल के मालिक
दिल को अब तेरा सहारा हैं दिल को अब तेरा सहारा हैं
हमें बर्बादियों का गम नहीं
m.m.m....imp.
अगर तू हमारा हैं तेरा ही नाम लेगी जो
सदा इस दिल से निकलेगी सदा इस दिल से निकलेगी
ना वो हमसे जुदा होंगे ना वो हमसे जुदा होंगें
ना उल्फत दिल से हाय दिल से निकलेगी ना उल्फत दिल से निकलेगी

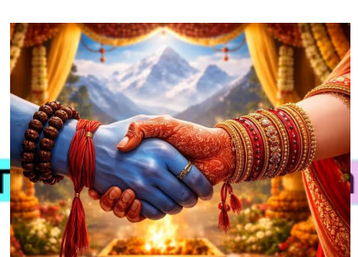

Poi ण p.

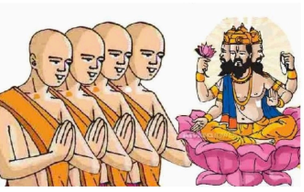

ओम् शान्ति। यह Total song ब्रह्मा मुख वंशावली, ब्राह्मण कुल भूषण प्रतिज्ञा करते हैं क्योंकि उनकी प्रीति एक बाप से जुटी हुई है। तुम जानते हो - यह

जागो जागो, समय पहचानो...

विनाश का समय है। बाप बच्चों को समझाते हैं कि As Certain as Death विनाश तो होना ही है। विनाश काले जिनकी प्रीत बाप के साथ होगी, वही विजय पायेंगे अर्थात् सतयुग के मालिक बनेंगे। शिवबाबा ने समझाया है - विश्व का मालिक तो राजा भी बनते हैं तो प्रजा भी बनती है, परन्तु Point to be Noted पोजीशन में बहुत फ़र्क है। जितना बाप से प्रीत रखेंगे, याद में रहेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। बाबा ने समझाया है - बाप की याद से

One & Only way

ही तुम्हारे विकर्मों का बोझा भस्म होगा। तुम लिख सकते हो कि विनाश काले विपरीत बुद्धि... यह लिखने में कोई डर की बात ही नहीं है। बाप कहते हैं - "मैं खुद कहता हूँ कि उनका विनाश होगा और प्रीत बुद्धि वालों की विजय होगी।" बाबा बिल्कुल क्लीयर कह देते हैं। इस दुनिया में प्रीत तो कोई की है नहीं। तुम्हारी ही प्रीत है। बाबा कहते - बच्चे, परमात्मा और श्रीकृष्ण की महिमा अलग-अलग लिखो तो सिद्ध हो जाए कि गीता का भगवान

Shiv भगवान उवाच:

Words of world Almighty

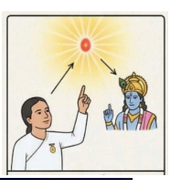

कौन? यह तो जरूरी है ना। दूसरा बाबा समझाते

हैं - ज्ञान का सागर, पतित-पावन परमपिता या पानी की नदियाँ? ज्ञान गंगा वा पानी की गंगा? यह

तो बहुत सहज है। दूसरी बात - जब प्रदर्शनी करते हो तो सबसे पहले निमन्त्रण देना चाहिए, गीता पाठशाला वालों को। वह तो ढेर हैं। उन्हों को खास

निमन्त्रण देना चाहिए। जो श्रीमत भगवत गीता का अभ्यास करते हैं, उनको पहले निमन्त्रण देना

चाहिए क्योंकि वही भूले हुए हैं 😂 और सभी को भुलाते रहते हैं। उनको बुलाना चाहिए कि अब आकर जज करो फिर जो समझ में आये सो करना। तो मनुष्य भी समझें - यह गीता वालों को बुलाते हैं। शायद इन्हों का गीता पर ही प्रचार है। गीता से ही स्वर्ग की स्थापना हुई है। गीता की बहुत महिमा है परन्तु भक्ति मार्ग की गीता नहीं।

Choice is All yours...

समझा?

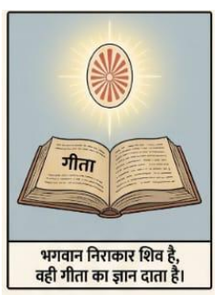

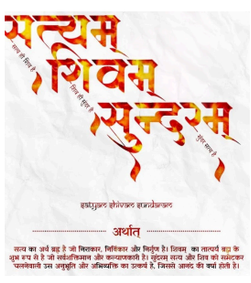

बाप कहते हैं - मैं तुम्हें सत्य ही सत्य बताता हूँ। मनुष्य जो अर्थ करते हैं वह बिल्कुल रांग हैं। कोई

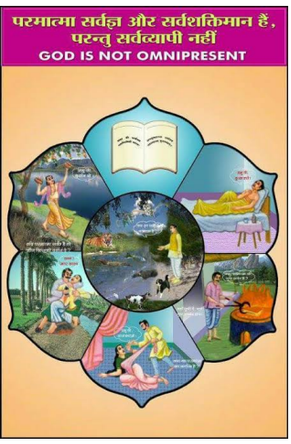

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

भी सत्य नहीं कहते, मैं ही सत्य बताता हूँ। परमात्मा को सर्वव्यापी कहना भी सत्य नहीं है, यह सब विनाश को प्राप्त होंगे और कल्प-कल्प होते भी हैं। तुमको पहली-पहली मुख्य बात यह समझानी है। बाप कहते हैं - यूरोपवासी यादवों की है विनाश काले विपरीत बुद्धि। विनाश के लिए अच्छी रीति तैयारियाँ कर रहे हैं परन्तु पत्थरबुद्धि समझ नहीं सकते हैं। तुम भी पत्थरबुद्धि थे, अब पारसबुद्धि बनना है। पारसबुद्धि थे फिर पत्थरबुद्धि कैसे बने हैं! यह भी वन्डर है। बाप को कहा ही जाता है नॉलेजफुल, मर्सीफुल। बाकी जो अपना ही कल्याण करने नहीं जानते, वह दूसरों का कल्याण कैसे करेंगे! जो नॉलेज ही धारण नहीं करते तो पद भी ऐसा पाते हैं, जो सर्विसएबुल हैं वही ऊंच पद पायेंगे। उनको ही बाप प्यार भी करते हैं। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार होते ही हैं। कई तो यह भी समझते नहीं कि हमारी बाप से प्रीत नहीं है तो पद भी नहीं मिलेगा। चाहे सगे बनें वा सौतेले बनें, विनाश काले प्रीत बुद्धि नहीं होगी, बाप को फालो नहीं करेंगे तो जाकर कम पद

हाँ जी मेरे मीठे ते मीठे बाबा...

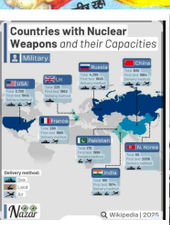

Simple Math..

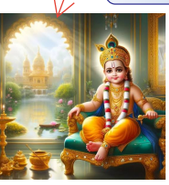

Simple Logic

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Shiv भगवान उवाच:

पायेंगे। दैवीगुण भी चाहिए। कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। बाप कहते हैं - मैं सत्य कहता हूँ, जो मेरे से प्रीत नहीं करते तो पद भी नहीं मिलेगा। कोशिश कर 21 जन्म का पूरा वर्सा लेना है। तो प्रदर्शनी, मेले पर पहले-पहले गीता पाठशाला वालों को निमन्त्रण देना है क्योंकि वो भक्त ठहरे ना। गीता-पाठी जरूर श्रीकृष्ण को याद करते होंगे परन्तु समझते कुछ नहीं हैं। श्रीकृष्ण ने मुरली बजाई, राधे फिर कहाँ गई। सरस्वती को बैन्जो दे दिया है, मुरली फिर श्रीकृष्ण को दे दी है। मनुष्य कहते हैं - हमको अल्लाह ने पैदा किया, परन्तु अल्लाह को जानते नहीं। भारत की ही बात है। भारत में ही देवताओं का राज्य था, उन्हों के चित्र मन्दिरों में पूजे जाते हैं। बाकी किंग्स आदि के स्टैच्यु तो बाहर लगा देते हैं, जिस पर पंछी आदि किचड़ा डालते रहते हैं। लक्ष्मी-नारायण, राधे-कृष्ण आदि को कितना फर्स्टक्लास जगह पर बिठाते हैं। उन्हों को महाराजा-महारानी कहते हैं, किंग अंग्रेजी अक्षर है। कितना लाखों रूपया खर्च कर मन्दिर बनाते हैं क्योंकि वह महाराजा पवित्र थे। यथा

Point to ponder deeply...

अगर इस कल्प में प्रजा बने तो कल्प कल्पांतर प्रजा ही बनेंगे

Choice is All yours...

Point of the Day

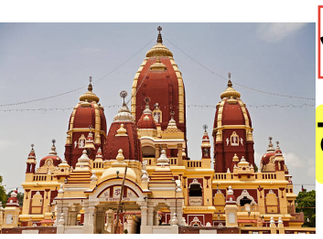

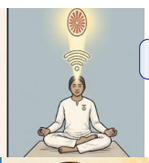

पूज्य पावन → पुजारी पतित
A शिवबाबा - catalyst

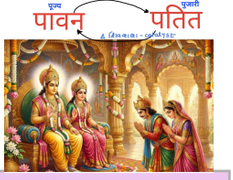

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा"

Point to be Noted

Example

राजा-रानी तथा प्रजा सब पूज्य हैं। तुम ही पूज्य फिर पुजारी बनते हो। तो पहली बात है, बाप को याद करो। बाप को याद करने का अभ्यास करने से धारणा होगी। एक के साथ प्रीत नहीं है तो फिर और और के साथ लग जाती है। ऐसी-ऐसी बच्चियाँ हैं, जो एक दो को इतना प्यार करती हैं जो शिवबाबा को भी इतना नहीं करती। शिवबाबा कहते हैं - तुमको बुद्धियोग मेरे साथ लगाना है या एक दो में आशिक-माशूक बन जाना है! फिर मेरे को बिल्कुल ही भूल जाते हैं। तुमको तो बुद्धियोग मेरे साथ जोड़ना है, इसमें मेहनत लगती है। बुद्धि टूटती ही नहीं है। शिवबाबा के बदले, दिन-रात एक दो को ही याद करते रहते हैं। बाबा नाम सुनाये तो ट्रेटर बन जाते हैं, फिर गाली देने में भी देरी नहीं करते। इस बाबा को गाली दी तो शिवबाबा भी झट सुन लेगा। ब्रह्मा से नहीं पढ़े तो शिव-बाबा से पढ़ न सके। ब्रह्मा बिगर तो शिवबाबा भी सुन न सके, इसलिए कहते हैं साकार से जाकर पूछो। कई अच्छे-अच्छे बच्चे हैं जो साकार को मानते ही नहीं। समझते हैं - यह तो पुरुषार्थी हैं। पुरुषार्थी तो

Most imp | Subtle Psychology

ये इश्क़ नहीं आसाँ इतना ही समझ लीजे
इक आग का दरिया है और डूब के जाना है
- Jigar Moradabadi

आदम को खुदा मत कहो, आदम खुदा नहीं।
लेकिन खुदा के नूर से आदम जुदा नहीं।

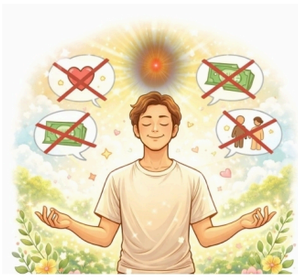

गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताय।

अर्थ : गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हैं। पहले किसके चरण-स्पर्श करें। कबीरदास जी कहते हैं, पहले गुरु को प्रणाम करूंगा क्योंकि उन्होंने ही गोविंद तक पहुंचने का मार्ग बताया है।

ये पक्का समझ लो..

says: Never Ever Try to Underestimate My Sweet Brahmababa

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे।

Shiv भगवान उवाच: The God says

पूरे विश्व के सबसे बड़े महामूर्ख जो ये समझते है

ज्ञान योग धारणा M.imp.

For more Related to Sweet Brahmababa Refer last page

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सब हैं परन्तु तुमको फालो तो माँ-बाप को ही करना है। कोई तो समझाने से समझ जाते हैं, कोई की तकदीर में नहीं है तो समझते नहीं। सर्विसएबुल बनते नहीं। परन्तु बुद्धि एक बाप से रखनी होती है। बहुत आजकल निकले हैं जो कहते हैं मेरे में शिवबाबा आते हैं, इसमें बड़ी सम्भाल चाहिए। माया की बहुत प्रवेशता होती है, जिनमें आगे श्री नारायण आदि आते थे, वह भी आज हैं नहीं। सिर्फ प्रवेशता से कुछ होता नहीं है। बाप कहते हैं - मामेकम् याद करो। बाकी मेरे में यह आता है, वह आता है... यह सब माया है। मेरी याद ही नहीं होगी तो प्राप्ति क्या होगी, जब तक बाप से सीधा योग नहीं रखेंगे तो पद कैसे पायेंगे, धारणा कैसे होगी।

पार्टियों के साथ   Be Alert...!   AV- 11/4/82

प्रश्नः- एक बल और एक भरोसे पर चलने वाले किस बात पर निश्चय रखकर चलते रहते हैं?

उत्तरः- एक बल एक भरोसा अर्थात् सदा निश्चय हो कि जो साकार की मुरली है, वही मुरली है, जो मधुबन से श्रीमत मिलती है वही श्रीमत है, बाप सिवाय मधुबन के और कहीं मिल नहीं सकता। सदा एक बाप की पढ़ाई में निश्चय हो। मधुबन से जो पढ़ाई का पाठ पढ़ाया जाता, वही पढ़ाई है, दूसरी कोई पढ़ाई नहीं। अगर कहाँ भोग आदि के समय सन्देशी द्वारा बाबा का पार्ट चलता है तो यह बिल्कुल रांग है, यह भी माया है, इसको 'एक बल एक भरोसा नहीं कहेंगे'। मधुबन से जो मुरली आती है उस पर ध्यान दो, नहीं तो और रास्ते पर चले जायेंगे। मधुबन में ही बाबा की मुरली चलती है, मधुबन में ही बाबा आते हैं इसलिए हरेक बच्चा यह सावधानी रखे, नहीं तो माया धोखा दे देगी।

Subtle Point to understand

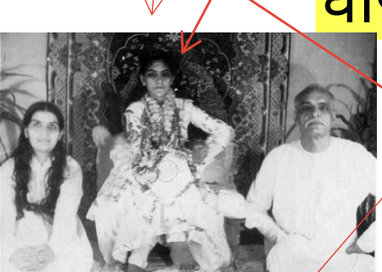

Another Example

यज्ञ की शुरुआत में शिवबाबा ने एक कन्या के तन का आधार लेकर वाणी चलाई थी (called as ...)

इस लिए सदैव अपनी बुद्धि को बाबा के सामने समर्पणमय करके ही चलना है हनुमान जी के समान..

इस आत्मा को भी माया खा गई..
सोचो जिस तन में स्वयं भगवान पधारे उस आत्मा को भी जब अहम कार आया तो उसको भी माया कच्चा चबा जाती है तो औरों के क्या कहने..

नहीं तो गिरना निश्चित है

हाँ बाबा, हाजीर बाबा, अभी बाबा...

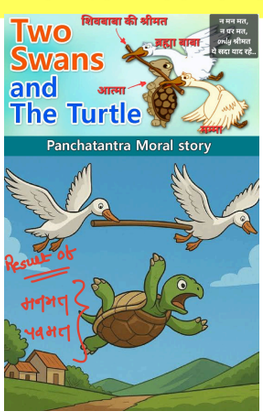

बाप कहते हैं - तुम मामेकम् याद करो। ब्रह्मा द्वारा ही मैं समझाता हूँ, ब्रह्मा द्वारा ही स्थापना हुई है। त्रिमूर्ति भी जरूर चाहिए। कोई तो ब्रह्मा का चित्र

Po

ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

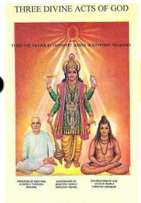

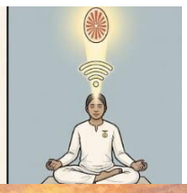

देख बिगड़ते हैं। कई फिर श्रीकृष्ण के 84 जन्म देख बिगड़ते हैं। चित्र फाड़ भी डालते हैं। अरे यह तो बाप ने चित्र बनवाये हैं। तो बाप बच्चों को समझाते हैं - भूलो मत, सिर्फ बाप को याद करते रहो। बांधेलियों को भी रड़ियाँ नहीं मारनी हैं। घर में बैठे बाप को याद करती रहो। बांधेलियों को तो और ही ऊंच पद मिल सकता है। तुम बच्चों को ज्ञान देने वाला है ही एक ज्ञान सागर। स्प्रीचुअल नॉलेज एक बाप के सिवाए और कोई में है नहीं।

Exclusive Authority of Shiv baba

यस्पतिरेक एव नमस्यो विक्ष्वीड्यः
अथर्ववेद २/२/१
सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का एक ही स्वामी है । वही सबके द्वारा नमस्कार करने के योग्य है, वही प्रशंसा करने के योग्य है ।

ज्ञान का सागर एक परमपिता परमात्मा ही है, उसको ही लिबरेटर कहा जाता है, इसमें डरने की क्या बात है। बाप बच्चों को समझाते हैं, बच्चों को फिर औरों को समझाना है। बाप कहते हैं - मुझे याद करो तो सद्गति को पायेंगे। सतयुग में है रामराज्य, कलियुग में नहीं है। सतयुग में तो एक ही राज्य है। यह सब बातें तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं, जिनकी बुद्धि में धारण होती हैं, जिनको धारणा नहीं होती है, विनाश काले विपरीत बुद्धि कहेंगे, पद पा नहीं सकेंगे। विनाश तो सबका होना है। यह अक्षर कम है क्या! शिवबाबा कहते हैं - विनाश

मनुष्याणां सहस्रेषु कश्चिद्यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कश्चिन्मां वेत्ति तत्त्वतः॥
हजारों मनुष्योंमें कोई एक मेरी प्राप्तिके लिये यत्न करता है और उन यत्न करनेवाले योगियोंमें भी कोई एक मेरे परायण होकर मुझको तत्त्वसे अर्थात् यथार्थरूपसे जानता है॥ ३॥

Attention Please..!

प्रीत बुद्धी विजयंती

m.m.m....imp.

काले प्रीत बुद्धि बनो। यह तुम्हारा अन्तिम जन्म है, इसमें अगर तुम प्रीत नहीं रखते हो तो पद भी नहीं मिलेगा।

सच्चे दिल पर साहेब राज़ी होता है। दधीचि ऋषि मिसल सेवा में हड्डियाँ देनी हैं। कभी कोई पर ग्रहचारी बैठती है तो नशा ही उड़ जाता है फिर अनेक प्रकार के तूफान आते रहते हैं। मुख से कहते इससे तो लौकिक के पास चले जायें, यहाँ तो कोई मज़ा नहीं है। वहाँ तो नाटक, बाइसकोप आदि खूब हैं, जो इन बातों पर हिरे हुए हैं वह यहाँ ठहर न सकें, बड़ा मुश्किल है। हाँ, पुरुषार्थ से ऊंच पद भी पा सकते हैं, खुशी में रहना चाहिए। बाबा खुद कहते हैं - सुबह को उठकर नहीं बैठता हूँ तो मज़ा ही नहीं आता है। लेटे रहने से कभी-कभी झुटका आ जायेगा। उठकर बैठने से अच्छी प्वाइंट्स निकलती हैं, बड़ा मजा आता है।

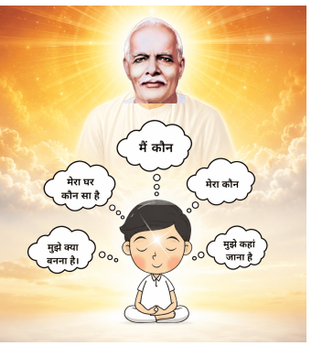

Take it Seriously..

अभी बाकी थोड़े दिन हैं, हम विश्व की बादशाही ले रहे हैं, बाप से। यह बैठ याद करें तो भी खुशी का

Simple Math..

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

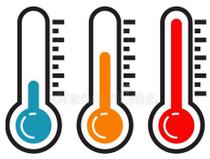

पारा चढ़े। सुबह को चिन्तन चलता है तो दिन को भी खुशी रहती है। अगर खुशी नहीं रहती तो जरूर बाप से प्रीत बुद्धि नहीं है। अमृतवेले एकान्त अच्छी होती है, जितना बाप को याद करेंगे उतना खुशी का पारा चढ़ेगा। इस पढ़ाई में ग्रहचारी बैठती है क्योंकि बाप को भूलते हैं। बाप से वर्सा लेना है तो मन्सा-वाचा-कर्मणा सर्विस करनी है। इस सर्विस में ही यह अन्तिम जन्म व्यतीत करना है। अगर और दुनियावी बातों में लग गये तो फिर यह सर्विस कब करेंगे! कल-कल करते मर जायेंगे। बाप आये ही हैं स्वर्ग में ले जाने के लिए। यहाँ तो लड़ाई में कितने मरते हैं, कितनों को दु:ख होता होगा। वहाँ तो लड़ाई आदि होगी नहीं। यह सब पिछाड़ी के हैं, सब खत्म होने हैं। निधनके ऐसे मरेंगे, धनी के जो होंगे वह राज्य भाग्य पायेंगे।

Point for Life time

m.m.m....imp.

हाँ बाबा, हाजीर बाबा, अभी बाबा...

अभी नहीं तो कभी नहीं

प्रदर्शनी में भी समझाना है कि हम अपनी कमाई से, अपने ही तन-मन-धन से अपना राज्य स्थापन

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

कर रहे हैं। हम भीख नहीं माँगते हैं, जरूरत ही नहीं है। ढेर भाई-बहिन इकट्ठे होकर राजधानी स्थापन करते हैं। तुम करोड़ इकट्ठा कर अपना विनाश करते हो, हम पाई-पाई इकट्ठा कर विश्व का मालिक बनते हैं। कितनी वन्डरफुल बात है। अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

वक्त है कम लंबी मंजिल,
तुम्हें तेज कदम चलना होगा,
हे परम तपस्या के पथीको,
तुम्हें कोई नूतन पथ रचना नहीं है,
सिर्फ मीठे ब्रह्मा बाबा ने जो किया है
वहीं फॉलो करना है, न ज्यादा, न कम..

1) अमृतवेले एकान्त में बैठ बाप को प्यार से याद करना है। दुनियावी बातों को छोड़ ईश्वरीय सेवा में लग जाना है।

अब करो न करो तुम्हारी मर्जी। बाप का फरमान तो मिला हुआ है। SM:- 9/5/26

Example :-

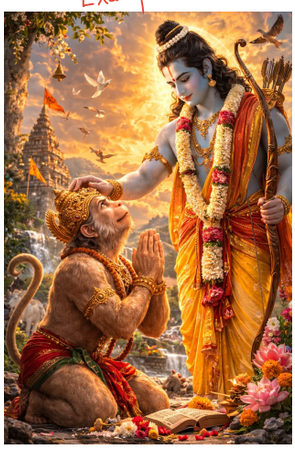

2) बाप से सच्ची दिल रखनी है। आपस में एक दो के आशिक-माशूक नहीं बनना है। प्रीत एक बाप से जोड़नी है। देहधारियों से नहीं।

Method/Process/Instrument

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान: सर्व शक्तियों की सम्पत्ति से सम्पन्न बन दाता बनने वाले विधाता, वरदाता भव

Outcome/Output/Result

Finale Achievement

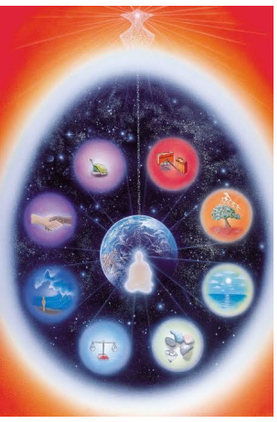

जो बच्चे सर्व शक्तियों के सम्पत्तिवान हैं - वही सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति के समीपता का अनुभव करते हैं।

उनमें कोई भी भक्तपन के वा भिखारीपन के संस्कार इमर्ज नहीं होते, बाप की मदद चाहिए, आशीर्वाद चाहिए, सहयोग चाहिए, शक्ति चाहिए - यह चाहिए शब्द दाता विधाता, वरदाता बच्चों के आगे शोभता ही नहीं।

वे तो विश्व की हर आत्मा को कुछ न कुछ दान वा वरदान देने वाले होते हैं।

स्लोगन:- हर आत्मा को कोई न कोई प्राप्ति कराने वाले वचन ही सत वचन हैं।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

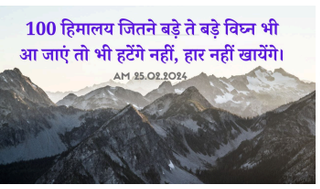

12-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ये अव्यक्त इशारे -

सदा अचल, अडोल, एकरस स्थिति का अनुभव करो

कितना भी कोई हिलावे लेकिन आप अचल रहो।

परिस्थिति श्रेष्ठ है या स्वस्थिति श्रेष्ठ है? कभी परिस्थिति वार तो नहीं कर लेती है?

सोचो, कि ये परिस्थिति पावरफुल है या स्वस्थिति पावरफुल है? तो इस स्मृति से कमज़ोर से शक्तिशाली बन जायेंगे।

जैसे आप तपस्वी एकरस स्थिति में एकाग्र होते हो तो हठयोगी फिर एक टांग पर खड़े हो जाते हैं।

तो कहाँ एकरस स्थिति और कहाँ एक टांग पर स्थित रहना, फ़र्क हो गया ना!

If you wish to stay connected, Here is the link

TELEGRAM

WhatsApp

वरदान का फल निकालने के लिए बार-बार वरदान को स्मृति में लाओ। स्मृति स्वरूप के स्थिति में स्थित रहो।

AV: 30/11/2009
Revise: 12/4/26

वरदान slogans April 26 → Click

अव्यक्त इशारे April 26 → Click

WORLD WIDE WEB

BKdrluhar

मामेकम्/ Only Me

26-02-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - सुख देने वाले एक बाप को याद करो, इस थोड़े समय में योगबल जमा करो तो अन्त में बहुत काम आयेगा"

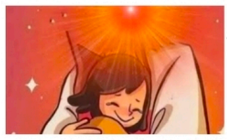

वक्त है कम लंबी मंजिल,
तुम्हें तेज कदम चलना होगा,
हे परम तपस्या के पथीको,
तुम्हें कोई नूतन पथ रचना नहीं है,
सिर्फ मीठे ब्रह्मा बाबा ने जो किया है
वहीं फॉलो करना है, न ज्यादा, न कम..

Short Shorter Shortest

Shortest route to Reach the destination of

COPY Blindly That's All

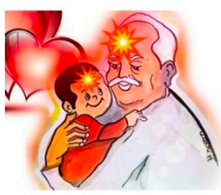

करना। इसमें डरने की बात नहीं। प्यार से समझाया जाता है। बाप को बताने में कल्याण है। बाप पुचकार दे प्यार से समझायेंगे। नहीं तो दिल से एकदम गिर पड़ते हैं। इनकी दिल से गिरा तो शिव-बाबा की दिल से भी गिरा। ऐसे नहीं कि हम डायरेक्ट ले सकते हैं, कुछ भी नहीं होगा। जितना समझाया जाता है - बाप को याद करो, उतना बुद्धि बाहर तरफ भागती रहती है। यह सब बातें बाप डायरेक्ट बैठ समझाते हैं, जिनके बाद में शास्त्र बनते हैं। इसमें गीता ही भारत का सर्वोत्तम शास्त्र है। गाया हुआ भी है सर्वशास्त्रमई शिरोमणी गीता, जो भगवान ने गाई। बाकी सब धर्म तो बाद

ये पक्का समझ लो..

m.m.m....imp.

आदम को खुदा मत कहो, आदम खुदा नहीं।
लेकिन खुदा के नूर से आदम जुदा नहीं।

गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताय।

अर्थ : गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हैं। पहले किसके चरण-स्पर्श करें। कबीरदास जी कहते हैं, पहले गुरु को प्रणाम करूंगा क्योंकि उन्होंने ही गोविंद तक पहुंचने का मार्ग बताया है।

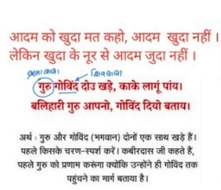

Never Ever Try to Underestimate My Sweet Brahmababa

11/03/26

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे।

ये पक्का कर लो..

चाहिए। हम शिवबाबा से इनके द्वारा वर्सा लेते हैं। बाप बिगर दादे का वर्सा मिल नहीं सकता। जब कोई भी मिलता है तो यह बताओ कि बाप कहते हैं मामेकम् याद करो। अच्छा!

11/3/26

ये पक्का समझ लो..

So, Don't become by Avoiding Sweet even in a thought